आपके बच्चे के सुनने की क्षमता की जांच क्यों जरूरी है?

बच्चे के सुनने की सही उम्र
माता–पिता के लिए मार्गदर्शन।

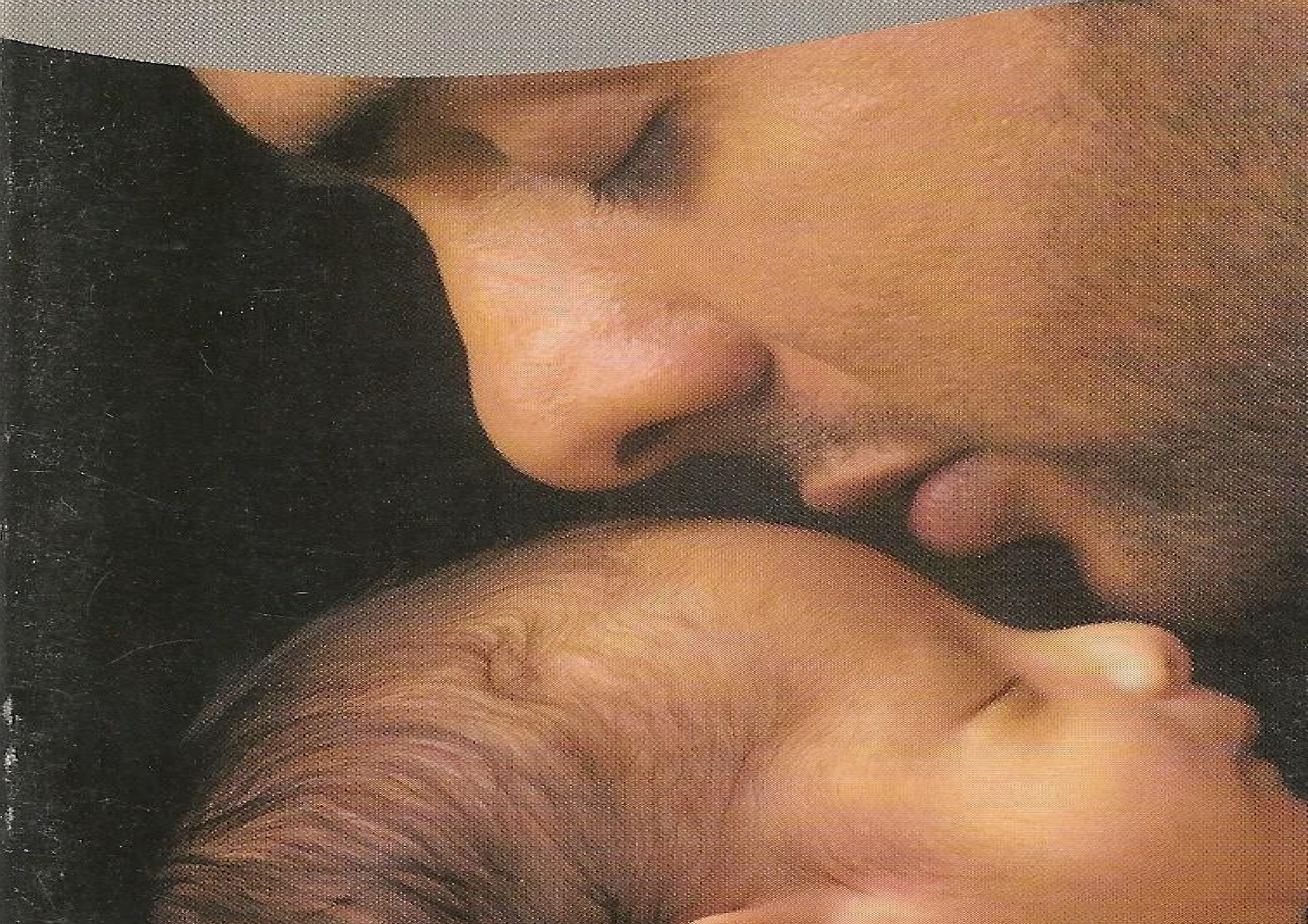

सहयोग: Cochlear™

Improving Human Potential
SpHear
Speech & Hearing Solutions

आपके बच्चे के सुनने की क्षमता की जांच क्यों जरूरी है?

पूरी दुनिया के 278 मिलियन से अधिक लोग सुनने की क्षमता खो बैठे हैं और बहरेपन के शिकार हैं और उन्हें अपनी समस्या का पता भी नहीं चलता है।

मस्तिष्क के जिस हिस्से में सुनने की क्षमता रहती है गर्भ में ही उसका विकास होने लगता है और आवाज को समझने के लिए वह पहले ही तैयार हो जाता है। बच्चा मुंह से पहला शब्द कहे उससे पहले लगभग एक साल तक वह आसपास की भाषा को सुनते रहता है।

इस बीच बच्चा सुनी गई बात का अर्थ लगाना शुरू कर देता है। इसलिए आवाजों को सुनने में उसे जितना समय लगेगा भाषा बोलने में उसे उतनी कठिनाई होगी। यही वजह है कि हमेशा के लिए सुनने की क्षमता खत्म हो जाने के मामलों में जितनी जल्दी हो जांच और उपचार जरूरी है ताकि आपके बच्चे को बोलने की क्षमता विकसित करने का अच्छा अवसर मिले।

यथाशीघ्र सुनने की क्षमता का विकास जरूरी है

हाल के शोधों से इस बात की पुष्टि हुई है कि जितना पहले बच्चे की जांच हो और उसे सुनने के सही उपकरण लगे उसे अपनी उम्र के सामान्य बच्चों की तरह सुनने और बोलने की क्षमता विकसित करने का उतना अच्छा अवसर मिलेगा।

मस्तिष्क के जिस हिस्से में सुनने की क्षमता रहती है बच्चों में उसका विकास बहुत तेजी से होता है। इस दृष्टिकोण से दरअसल जन्म से 4 साल तक की उम्र सबसे महत्वपूर्ण है। इसलिए जरूरी है कि इसी छोटी अवधि में आपका बच्चा आवाज सुनने लगे। समय के साथ, सुन कर भाषा बोलने की मस्तिष्क की क्षमता में लचीलापन कम होता जाता है।

दुनिया के कई देशों में नवजात बच्चों की सुनने की क्षमता की जांच की सलाह देने के चलन को सबसे अच्छा माना जाता है। इससे माता–पिता कम उम्र में ही बच्चे के इलाज की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय ले पाते हैं। दुनिया के कई देशों में जन्म के तुरत बाद नवजात बच्चों के सुनने की क्षमता की जांच एक नियमित प्रक्रिया है, एक मानक है। इस जांच में समय नहीं लगता है, यह आसान है और इसमें किसी प्रकार की सर्जरी नहीं की जाती है। बच्चे की नींद के दौरान ही यह जांच पूरी कर ली जाती है।

सभी माता–पिता को हमारी सलाह है कि यह जांच अवश्य करवा लें कि उनके बच्चे तक आवाज पहुंचती है या नहीं। यह जांच जितनी जल्दी हो सुनने की क्षमता में कमी के उपचार का उतना अच्छा अवसर मिलेगा।

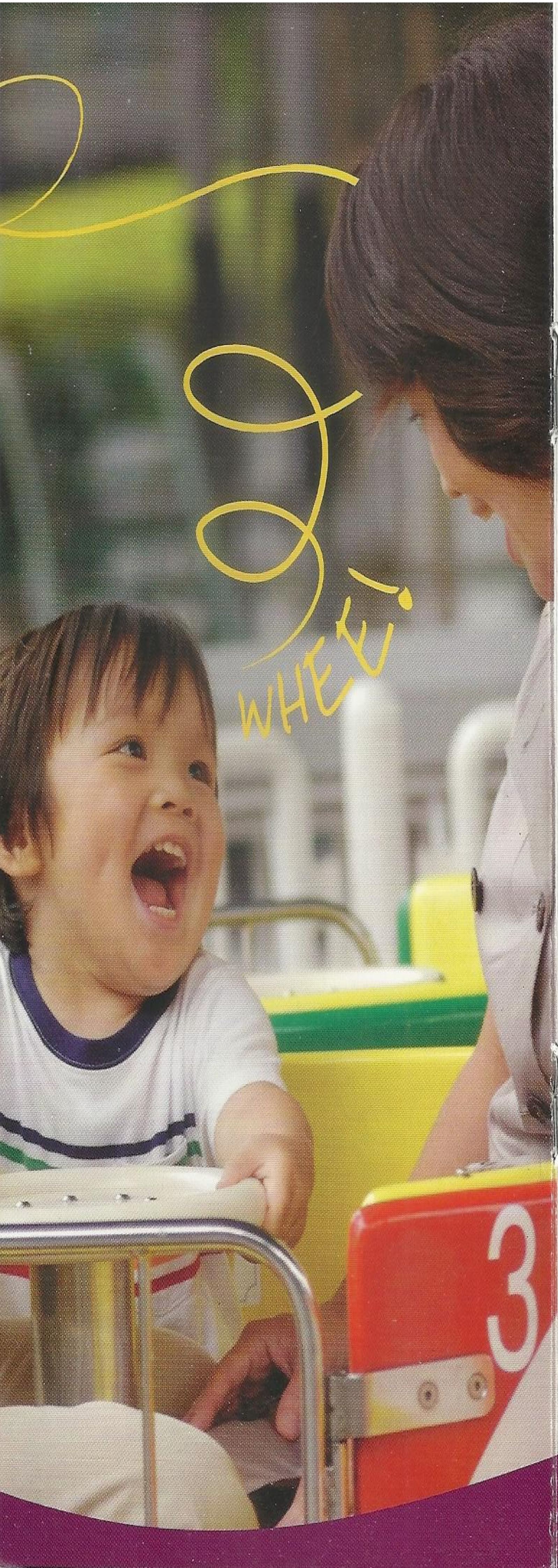

सुनने की क्षमता संबंधी जांच–सूची

आपके बच्चे के बोलने की क्षमता और भाषा के साथ–साथ आवाज सुनकर प्रतिक्रिया करने की क्षमता पर गौर करना जरूरी है।

नीचे एक जांच सूची दी गई है जिसमें सुनने की क्षमता और भाषा के विकास के दृष्टिकोण से कुछ मील के पत्थर दिए गए हैं। यदि आप बच्चे के सुनने या बोलने की क्षमता और भाषा के विकास को लेकर चिंतित हैं तो बच्चे के सुनने की क्षमता की जांच करवाने की व्यवस्था करें। आपके चिकित्सक इस जांच के लिए सही जगह जाने की जानकारी दे सकते हैं।

जन्म से 3 माह	तेज आवाज पर प्रतिक्रिया करता है	☐
	परिचित बोली या आवाज सुन कर शांत हो जाता है	☐
	किलकारी की आवाज करता है	☐
	आवाज सुन बोलने वाले का चेहरा देखता है	☐
3–6 माह	आवाज की ओर आंखों या सिर को घुमाता है	☐
	बोली की तरह आवाज निकालता है	☐
	खुशी और नाखुशी जाहिर करने के लिए हंसता और आवाज निकालता है	☐
6–9 माह	'दादा', 'मामा', 'बाबा' कहना शुरू करता है	☐
	लोगों का ध्यान खींचने के लिए चिल्लाता/आवाज देता है	☐
	'नहीं' और अपना नाम सुन कर अक्सर प्रतिक्रिया देता है	☐
	गीत–संगीत सुन कर प्रतिक्रिया करता है	☐
9–12 माह	दूसरों की बोली की नकल करता है	☐
	'बॉल', 'डॉग', 'डैडी' जैसे आसान शब्द बोलने लगता है	☐
	धीमी आवाज सुन कर सिर घुमाता है	☐
	शुरुआती शब्द निकलने लगते हैं	☐
12–18 माह	प्रति सप्ताह कुछ नए शब्द समझने का अहसास देता है	☐
	आपकी छोटी–छोटी बातों पर अमल करता है जैसे बॉल ले आओ	☐
	सगे–संबंधियों, शरीर के अंगों या खिलौनों के बारे में पूछे जाने पर उनकी ओर इशारा करता है	☐
	हमेशा नए–नए शब्द कहने का प्रयास करता है भले ही शब्द अस्पष्ट हों	☐
18–24 माह	साधारण कहानियों या गानों को सुनने में दिलचस्पी लेता हैं	☐
	दो या अधिक शब्दों को जोड़ कर वाक्यांश बनाता है जैसे 'अधिक खाना'	☐
2–3 साल	लंबे वाक्यों को समझता हैं	☐
	दूर की आवाज (शांति रहने पर) सुनने लगता हैं	☐
	ऐसे निर्देशों पर अमल करता है जिनमें 2–3 चरण होते हैं	☐
3–4 साल	जटिल वाक्यों पर विचार शुरू कर देता है	☐
	लंबी बातों (वाक्यों) को भी पूरी तरह दुहराने लगाता है – 5 या उससे अधिक वाक्य	☐

सुनने की क्षमता की जांच

आधुनिक गैर–शल्य प्रक्रिया जैसे ओटाकॉस्टिक एमिशंस (ओएई) और एबीआर (ऑडिटरी ब्रेनस्टेम रिस्पांस) से जन्म के कुछ घंटों के बाद ही बच्चों के सुनने की क्षमता की जांच हो सकती है।

बच्चे के सुनने की क्षमता की जांच

ऑडिटरी ब्रेनस्टेम रिस्पांस (एबीआर)

इस जांच से आवाज सुनने की मस्तिष्क की क्षमता की माप होती है। इसमें बच्चे के कानों में नर्म ईयरफोन द्वारा 'क्लिक' या 'टोन' सुनाया जाता है। बच्चे के सिर पर तीन इलैक्ट्रोड लगाए जाते हैं जो अलग–अलग पिच या टोन के इस्तेमाल से आवाज के प्रति मस्तिष्क की प्रतिक्रिया की माप देते हैं।

एबीआर डायग्नॉस्टिक जांच में आवाज के अलग–अलग हिस्सों के प्रति कान की प्रतिक्रिया का पता लगाने के लिए कम, मद्धम और तेज आवाजों की जांच जरूरी है।

ऑटोएकाउस्टिक एमिशंस (ओएई)

इस जांच से कान के अंदरूनी हिस्से में उत्पन्न आवाज (ध्वनि तरंगों) की माप होती है। इसमें बच्चे के कान में एक छोटा–सा प्रोब (औजार) डाला जाता है। उसके बाद कान में 'क्लिक' या 'टोन' सुना कर प्रतिक्रिया (गूंज) मापी जाती है।

इन जांचों में समय नहीं लगता और ये बच्चे के लिए सुरक्षित भी हैं। लगभग दस या बीस मिनट की इस जांच में बच्चे को दर्द नहीं होता है। बच्चा सोया या लेटा हो तो यह जांच की जा सकती है। एक या दोनों जांच की आवश्यकता पड़ सकती है।

सुनने की जांच से मेरे बच्चे की सुनने की क्षमता के बारे में क्या पता चलेगा?

नवजात बच्चे की जांच से स्थायी रूप से सुनने की क्षमता खो जाने का निदान (डायग्नॉसिस) नहीं होता है। इससे पता चलेगा कि क्या सुनने की अक्षमता की पुष्टि के साथ आपके बच्चे को अन्य डायग्नॉस्टिक जांच की जरूरत है। यह जान लेने से माता–पिता का मनोबल बढ़ जाता है कि सुनने के लिए सही उपाय कर अधिकांश बच्चों में उत्कृष्ट बोली की क्षमता विकसित हो जाती है और वे सामान्य बच्चे के स्कूल जा सकते हैं और सामान्य बच्चे की तरह सीखने–पढ़ने का अवसर प्राप्त कर सकते हैं।

यदि जांच से पता चले कि आपके बच्चे में सुनने की पूरी क्षमता नहीं है तो आपके पास क्या विकल्प बचते हैं?

बच्चे के साथ उसी तरह बोलते और खेलते रहें जैसा कि आप तब करते जबकि वह सहज सुन सकता। आपका बच्चा आवाज देकर, आंखों के इशारे, चेहरे के भाव और स्पर्श यानी कई प्रकार से प्रतिक्रिया व्यक्त कर सकता है। आराम पहुंचाना, बात करना, मुस्कराना और गाना ये सभी संवाद के माध्यम हैं। बच्चे को खिलाते, कपड़ा बदलते और उसके साथ खेलते वक्त उससे बात करें। बच्चों के गीत और लोरी गाना बच्चे के साथ–साथ आपके लिए भी आनंददायक हो सकता है।

यदि आपके बच्चे में सुनने की क्षमता नहीं है तो आपके पास निम्नलिखित विकल्प हैं :

- **सुनने की मशीन**
- **कोकलियर इम्प्लांट***
- **बोन कंडक्शन सिस्टम**

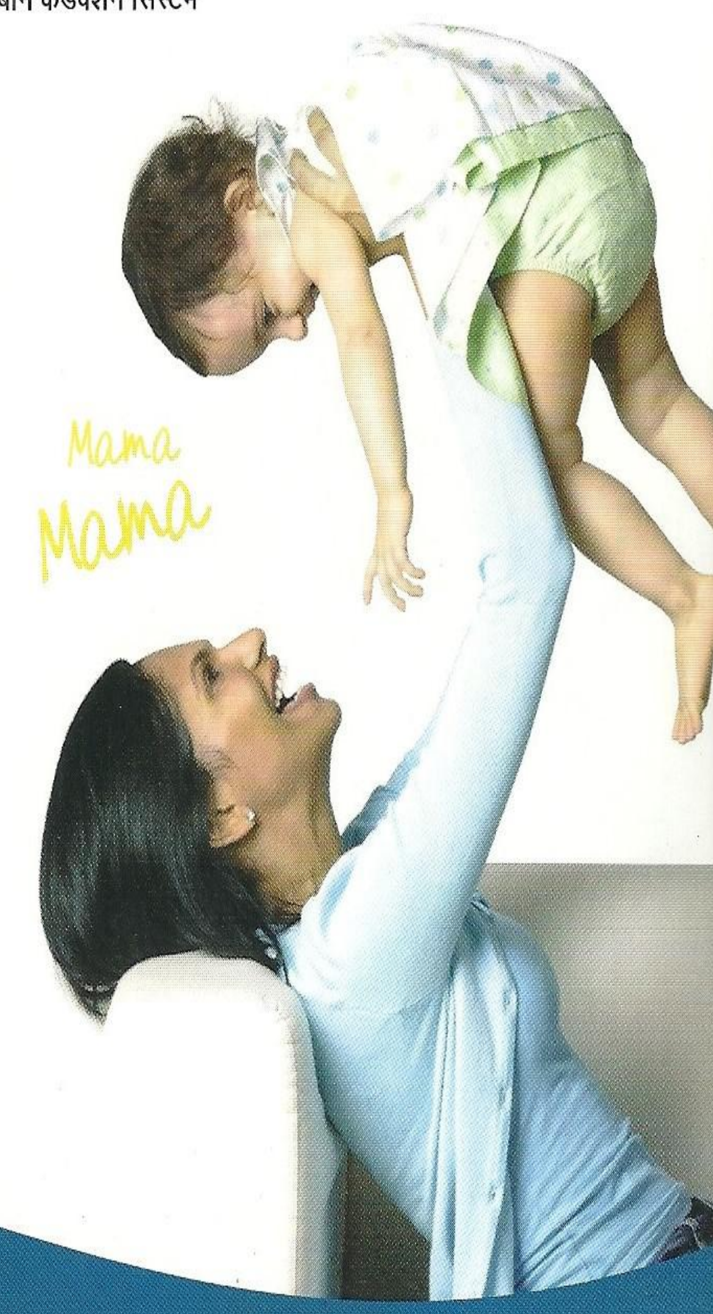

जांच कहां और कैसे करवाएं?

अपने बच्चे के सुनने की क्षमता की जांच के लिए अपने स्थानीय शिशु रोग विशेषज्ञ या नजदीकी क्लिनिक या संस्थान में ईएनटी विशेषज्ञ से संपर्क करें।

SpHear
Speech & Hearing Clinic

MAIN OFFICE
Delhi : G-32, LGF, Lajpta Nagar-III, New Delhi-110 024
Tel: +91-11-4608 5245 / 46

BRANCHES
Noida : E 152, Basement, Sector-20, Noida-201 301
Tel. : +91-120-422 5246
Gurgaon : 19, Deodar Marg, Nr. Qutab Plaza,
DLF Phase-I, Gurgaon-122 002
Tel. : +91-124-405 4479
Patna : Shankar Sadan, Road No. 8C,
Rajendra Nagar, Patna-800 016 Tel. : +91-612-267 2906

Email : info@sphearclinic.com Web : www.sphearclinic.com

कोकलियर यह मान कर चलता है कि सुनने की अक्षमता से निपटने की प्रक्रिया एक सफर है और इस दौरान कई सामग्रियों का विकास हुआ है जो बच्चे के सुनने की क्षमता के विकास में आपके लिए सहायक हैं :

1. **आपके बच्चे के सुनने की क्षमता की जांच क्यों जरूरी है? बच्चे के सुनने की सही उम्र माता-पिता के लिए मार्गदर्शन** – इस पुस्तिका में माता–पिता को सुनने की जांच के बारे में जानकारी दी गई है।

2. **सुनने की अक्षमता और आपका बच्चा। बच्चे के सुनने की सही उम्र माता-पिता के लिए मार्गदर्शन** – इस पुस्तिका में माता–पिता को सुनने के उपाय संबंधी जानकारी दी गई है।

3. **कोकलियर™: आपके सवालों के जवाब** – इस पुस्तिका में माता–पिता को कोकलियर इम्प्लांट की कार्य प्रक्रिया की जानकारी दी गई है।

4. **कोकलियर™ बहा®: द प्रोवन पाथवे टू हियरिंग नैचुरली** – इस पुस्तिका में माता–पिता को बहा सिस्टम्स की कार्य प्रक्रिया की जानकारी दी गई है।

*कोकलियर इम्प्लांट्स 12 माह या उससे अधिक उम्र के बच्चों के लिए बने हैं जिन्हें सुनने संबंधी कुछ विशेष किस्म की समस्याएं हैं। आपके कान के डॉक्टर सलाह दे सकते हैं कि यह सॉल्यूशन आपके लिए सही है या नहीं।

अब सुनें। हमेशा के लिए

कोकलियर और एलिप्टिकल लोगो कोकलियर लिमिटेड के ट्रेडमार्क हैं।
बहा कोकलियर बोन एंकर्ड सॉल्यूशंस एबी का पंजीकृत ट्रेडमार्क है।
© कोकलियर लिमिटेड 2011

N34798F ISS2 MAR12